सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

प्रेरणा

"महान चीजें कभी भी कम्फर्ट ज़ोन में नहीं मिलतीं।"

साप्ताहिक मौसम

दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	35°	25°
शनिवार	38°	24°
रविवार	41°	26°
सोमवार	41°	27°
मंगलवार	39°	26°
बुधवार	39°	25°
वीरवार	47°	31°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-7 • 19 JUNE TO 25 JUNE 2026 • VOLUME 46 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?
What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?
Get Career Guidance from our Expert Career Counseling Team Free of Cost
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact :9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

वीडियो में 1191 फ्रेम और एक भी मुझसे मेल नहीं खाता : सीएम मान

बोले- साजिश में शामिल हर चेहरे को बेनकाब किया जाएगा और संगत के सामने पेश किया जाएगा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को कहा कि उनका सारा सार्वजनिक जीवन लोगों की सेवा और पंजाब के हितों की रक्षा के लिए समर्पित रहा है और कोई भी सियासी प्रचार, संगत या राज्य के लोगों के साथ उनके रिश्ते को कमजोर नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि दो स्वतंत्र फोरेंसिक रिपोर्टों ने नकली वीडियो विवाद के पीछे की सच्चाई को बेनकाब कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच किए गए 1,191 फ्रेमों में से एक भी फ्रेम उनके चेहरे, कद, शारीरिक बनावट या दिखावट से मेल नहीं खाता।

इस घटना को बदनाम करने की एक सोची-समझी साजिश करार देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि कुछ ताकतें पंजाब की तरक्की और लोगों की ओर से मिल रहे बेइंतहा प्यार को बर्दाश्त नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने डीजीपी पंजाब को निर्देश दिए हैं कि इस नकली वीडियो को बनाने, फंड देने और वायरल करने में शामिल हर व्यक्ति की पहचान की जाए, चाहे वह दुनिया में कहीं भी छिपा हो, उन्हें संगत के सामने लाया जाए। श्री गुरु ग्रंथ साहिब, संगत और पंजाब के लोगों की सेवा के लिए अपनी उम्र भर की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने पंजाबियों से अपील की कि वे अपनी घटती सियासी हैसियत को बचाने के लिए धर्म को ढाल के रूप में इस्तेमाल करने वालों की सियासत से प्रेरित साजिशों का शिकार न हों।

एक वीडियो संदेश में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'जब छोटे साहिबजादों को श्रद्धांजलि देने की बात आई तो संसद के इतिहास में उन्हें कभी भी श्रद्धांजलि नहीं दी गई थी। गुरु साहिब ने मुझे वह सेवा बख्शी और संसद में पहली बार छोटे साहिबजादों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौन रखा गया, उनकी कुर्बानी के बारे में चर्चा

हुई और उनकी शहादत का सम्मान किया गया।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'अब, मुख्यमंत्री के रूप में मेरे सामने पालकी साहिब ले जाने वाले वाहनों का मामला आया था। इन वाहनों को टैक्स से छूट नहीं थी। हमने पूरे पंजाब में पालकी साहिब के सभी वाहनों का टैक्स माफ कर दिया है।' उन्होंने आगे कहा, "हमने राज्य में विभिन्न धर्मों के पवित्र ग्रंथों को ले जाने के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए वाहनों को मोटर व्हीकल टैक्स से छूट दी है। इन वाहनों को छूट विभिन्न धार्मिक संगठनों द्वारा निकाले जाने वाले नगर कीर्तनों को ध्यान में रखते हुए दी गई है, जो सांप्रदायिक सद्भाव, शांति और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देने के लिए प्रेरक के रूप में काम करते हैं।" उन्होंने आगे कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के समारोहों के दौरान हमने बेहतरीन प्रबंध किए और लोगों ने उन प्रबंधों की सराहना की। इतिहास में पहली बार हमने आनंदपुर साहिब में विशेष विधानसभा सत्र बुलाकर पंजाब विधानसभा को गुरु चरणों में समर्पित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुझे हैरानी होती है कि जो धर्म के आपे रखवाले बने बैठे हैं और जिन सियासी लोगों ने अपने चहेतों को अहम पदों पर नियुक्त किया है, वे अब मेरा नाम एक ऐसी नकली वीडियो से जोड़ रहे हैं, जिसमें मैं मौजूद भी नहीं हूं। कोई मेरे जैसी अदाकारी कर रहा है, मेरी नकल कर रहा है, मेरे जैसे बाल बना रहा है और मेरे जैसा दिखने की कोशिश कर रहा है।' उन्होंने दावा किया, "किसी कथित जांच के आधार पर वे मुझे श्री अकाल तख्त साहिब की 'फसील' से पंथ-विरोधी घोषित कर रहे हैं और लोगों को भगवंत मान से न जुड़ने के लिए कह रहे हैं। यह खुला सियासी प्रचार है। यह सियासी संदेशबाजी है और कुछ नहीं।"

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'आज मैं आपके सामने दो रिपोर्टें रख रहा हूं। ये पंजाब की किसी लैबोरेटरी की रिपोर्टें नहीं हैं। ये रिपोर्टें पंजाब से बाहर की लैबोरेटरियों की हैं और इसी वीडियो से संबंधित हैं। कुल 1,191 फ्रेमों की जांच की गई। सभी 1,191 फ्रेम चेक किए गए। एक भी फ्रेम किसी भी कोण से मेरे चेहरे, मेरे साइड प्रोफाइल, मेरे फ्रंट प्रोफाइल, मेरी आंखों, मेरे कद, मेरी शारीरिक बनावट या मेरे शरीर के ढांचे से मेल नहीं खाता। रिपोर्टें स्पष्ट रूप से साबित करती हैं कि किसी ने किसी अन्य व्यक्ति का इस्तेमाल करके यह नकली वीडियो खास इरादे से बनाई है ताकि इसे भगवंत मान की वीडियो बताकर मुझे बदनाम किया जा सके।'

फोरेंसिक रिपोर्टों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 'रिपोर्टों में वीडियो में दिखने वाले आस-पास के वातावरण का भी विश्लेषण किया गया है, जिसमें मेज और होटल का कमरा शामिल है। मुझे बताओ, होटल के कमरे में ऐसी तस्वीरें कौन रखता है? जब मैं श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश हुआ था तो मैंने भी यही बात कही थी। मैंने साफ कहा था कि इस वीडियो में दिखने वाला व्यक्ति मैं नहीं हूं। यह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है या नहीं, यह एक अलग मामला है। जब मैं वीडियो में मौजूद ही नहीं हूं तो यह बात अपने आप ही खत्म हो जाती है।'

लगातार तीसरे साल ईपीएफ पर 8.25% ब्याज

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर वर्ष 2025-26 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को मंजूरी दे दी है। इस फैसले के बाद सात करोड़ से अधिक अंशधारक कर्मचारियों के खातों में जल्द ही ब्याज की राशि जमा की जाएगी। श्रम मंत्रालय के निर्देश के अनुसार कर्मचारी भविष्य निधि संगठन अब इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की तैयारी में जुट गया है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था केंद्रीय न्यासी बोर्ड ने 2 मार्च 2026 को आयोजित बैठक में 8.25 प्रतिशत ब्याज दर तय की थी। इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने की थी। इसके बाद प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया था। गौरतलब है कि कर्मचारी भविष्य निधि के मामले में वित्त मंत्रालय गारंटर की भूमिका निभाता है। इसलिए ब्याज दर लागू करने से पहले उसकी औपचारिक सहमति आवश्यक होती है। अब मंत्रालय की मंजूरी मिलने के बाद संगठन जल्द ही खाताधारकों के खातों में ब्याज राशि जमा करेगा।

गड़बड़ी करने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई, परीक्षा से पहले एनटीए की चेतावनी

नई दिल्ली. 21 जून को दोबारा होने वाली नीट यूजी 2026 की परीक्षा से पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने छात्रों से शांत रहने, परीक्षा टलने की अफ़वाहों पर ध्यान न देने और अपनी तैयारी पर भरोसा रखने को कहा, क्योंकि परीक्षा में अब बहुत कम दिन बचे हैं। एक्स पर पोस्ट किए गए एक मैसेज में एजेंसी ने सीधे उम्मीदवारों से बात की। उन्होंने कहा कि परीक्षा में अब सिर्फ़ तीन दिन बचे हैं और उन्हें सलाह दी कि वे सोशल मीडिया पर चल रही अफ़वाहों के बजाय परफ़ॉर्मेंस पर ध्यान दें। परीक्षा तय समय पर ही होगी। सिर्फ़ एनटीए की आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। एनटीए ने दोबारा होने वाली परीक्षा के लिए किए जा रहे व्यापक सुरक्षा और प्रशासनिक इंतज़ामों पर भी ज़ोर दिया। यह परीक्षा 3 मई को पेपर लीक होने के बाद रद्द की गई परीक्षा की जगह पर आयोजित की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि हम आपको भरोसा दिलाना चाहते हैं कि संबंधित मंत्रालयों, राज्य सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षित और निष्पक्ष परीक्षा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इस प्रक्रिया की शुचिता हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए मजबूत, बहु-स्तरीय सुरक्षा उपाय किए गए हैं। किसी भी तरह की गड़बड़ी की कोशिश के खिलाफ चेतावनी देते हुए एनटीए ने कहा कि परीक्षा प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लगभग 100 वर्षों बाद पुनर्जीवित हुआ ऐतिहासिक कादियां–ब्यास रेल परियोजना : रवनीत सिंह बिट्टू

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली/ चंडीगढ़/गुरदासपुर

माझा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत सरकार ने लंबे समय से लंबित कादियां-ब्यास नई रेल लाइन परियोजना को पुनर्जीवित कर दिया है। गुरुवार को रेल भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है। कादियां-ब्यास रेल लिंक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि प्रस्तावित रेल लाइन गुरदासपुर जिले के कादियां को अमृतसर जिले के ब्यास से जोड़ेगी। लगभग 39.68 किलोमीटर लंबी इस ब्रॉडगेज रेल लाइन की अनुमानित लागत करीब 1,400 करोड़ रुपये है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उत्तरी रेलवे द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित रेल मार्ग कादियां, धपाई, घुमान, बुटाला, सठियाला और ब्यास जैसे महत्वपूर्ण कस्बों एवं गांवों से होकर गुजरेगा। इससे माझा क्षेत्र के अनेक इलाकों को पहली बार रेल नेटवर्क से सीधा जुड़ाव मिलेगा तथा स्थानीय लोगों की आवाजाही और परिवहन सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक रेलवे अवसंरचना विकसित की जाएगी, जिसमें घुमान और बुटाला में दो क्रॉसिंग स्टेशन, 11 प्रमुख पुल, 121 लघु पुल, 54 रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी), आधुनिक सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली तथा भारत की स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली 'कवच' का प्रावधान शामिल है।

बिट्टू ने कहा कि यह रेल लाइन केवल क्षेत्रीय संपर्क को ही मजबूत नहीं करेगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में अमृतसर-पठानकोट रेलखंड के वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी कार्य करेगी, जिससे उत्तरी भारत में रेलवे संचालन की मजबूती और लचीलापन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को व्यापक लाभ मिलेगा। किसानों को अपनी कृषि उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स सुविधाएं सुदृढ़ होंगी, व्यापार, वाणिज्य एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा निर्माण और संचालन चरणों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त माझा क्षेत्र में निवेश और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना कई प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों तक पहुंच को भी आसान बनाएगी, जिनमें अहमदिया मुस्लिम समुदाय के जन्मस्थल कादियां, डेरा बाबा जैमल सिंह, ब्यास, श्री दरबार साहिब डेरा बाबा नानक, गुरुद्वारा अचल साहिब, गुरुद्वारा भक्त नामदेव जी (घुमान), गुरुद्वारा साहिब पातशाही पंजवीं (बुर्ज साहिब), गुरुद्वारा बाबा राजा राम जी, पंडोरी धाम, राम शरणम मंदिर तथा शिरडी साईं मंदिर (गुरदासपुर) प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से धार्मिक पर्यटन को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की यात्रा अधिक सुगम होगी।

नगर निगम फंड घोटाले में पकड़े गए आईएएस अधिकारी राम कुमार सिंह

पंचकूला (जालंधर ब्रीज). हरियाणा के चर्चित पंचकूला नगर निगम फंड घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आईएएस अधिकारी राम कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। राम कुमार सिंह पंचकूला नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त रह चुके हैं। उन पर नगर निगम के सरकारी धन के दुरुपयोग और गबन का आरोप है। सीबीआई जांच में सामने आया है कि नगर निगम पंचकूला का एक बैंक खाता सेक्टर-32 स्थित आईडीएफसी फर्स्ट बैंक शाखा में हरियाणा सरकार के वित्त विभाग के निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन किए बिना खोला गया था। इस खाते के जरिए सरकारी धन के लेन-देन में गंभीर अनियमितताएं की गईं। यह भी पता चला कि बैंक खाते से जुड़े कई दस्तावेज ऐसे तरीके से तैयार किए गए थे, जिससे बाद में होने वाले कथित फर्जी लेन-देन और वित्तीय गड़बड़ियों को छिपाया जा सके।

पैरिस से पीएम मोदी का संदेश, तकनीक से हर क्षेत्र में क्रांति ला रहा भारत

पेरिस. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन, शिक्षा, टेलीमेडिसिन, खेती और अन्य क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है और इसके स्टार्टअप कई नई पार्टनरशिप कर रहे हैं। वाइवा टैक 2026 में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारत स्पेस टेक्नोलॉजी से लेकर न्यूक्लियर एनर्जी तक इंसानी क्षमता के दायरे को बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि मुझे वाइवा टैक के 10वें एडिशन के लिए पेरिस में आकर खुशी हो रही है। यह यूरोप का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट है। मैं वाइवा टैक की सफलता के लिए प्रेसिडेंट मैक्रों और आयोजकों को बधाई देता हूं। 2026 भारत और यूरोप के लिए एक खास साल है। साल की शुरुआत में, हमने ऐतिहासिक भारत-यूरोप फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पूरा किया। यह एग्रीमेंट हमारे व्यापार और निवेश को बढ़ाएगा। और टैलेंट, टेक्नोलॉजी और टूरिज्म के आदान-प्रदान के लिए कई रास्ते खोलेगा। उन्होंने कहा कि फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि अब आप फ्रांस में भी एफिल टॉवर या पेरिस एयरपोर्ट पर यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नारी शक्ति का दशक, विकसित भारत का उत्कर्ष

जालंधर ब्रीज. देश के किसी भी गाँव, बस्ती या सुदूर इलाके में जाइए- हर घर की रसोई में एक जैसी बदली हुई हवा महसूस होगी। चूल्हे के जिस काले धुएँ ने कभी नई दुल्हन की आँखों में आँसू भरे थे, उज्ज्वला की नीली लौ ने उसे विदा कह दिया है। जो माँ कभी कोसों दूर से पानी ढोती थी, आज उसकी बेटी के पास 'हर घर जल' का अपना नल है। खेत के पीछे की वह शर्मनाक मजबूरी अब इतिहास है- आँगन में स्वच्छ भारत का शौचालय गरिमा के साथ खड़ा है। सिर पर पक्की छत है, और उसके मालिकाना हक पर पहली बार- घर की महिला का नाम लिखा है। पर्स में जन-धन की पासबुक है और फोन में यूपीआई का ऐप है।

यह किसी पोस्टर पर छपी कोई काल्पनिक तस्वीर नहीं, बल्कि मोदी सरकार के बारह वर्षों में महिला सशक्तिकरण का एक ऐसा सच है, जिसे देश की करोड़ों महिलाएँ हर रोज़ जी रही हैं। यह उस दौर की दास्तान है जिसमें वुमेन लेड डिवेल्पमेंट के विजन के साथ भारतीय नारी विकसित भारत की शिल्पकार बन रही है। इस बदलाव की विशालता को समझने के लिए एक दशक पीछे लौटिए। एक समय मातृ मृत्यु दर 212 थी। निर्भया जैसी घटना पर देश का आक्रोश सड़कों पर था, लेकिन व्यवस्था में नीतिगत इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता की कमी दिखाई देती थी। महिला आरक्षण विधेयक 1996 से चार बार अधर में लटका रहा और ट्रिपल तलाक पर दशकों तक कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई। चूल्हा साँसों में कालिख घोलता था। दूरस्थ हैंडपंप रोज़मर्रा की बेबसी का प्रतीक था। भारतीय नारी एक नई सुबह की प्रतीक्षा में अपने हिस्से की उम्मीद बचाए हुए थी।

अन्नपूर्णा देवी
(लेखिका भारत सरकार में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री हैं।)

शुरुआत करते हैं सबसे पवित्र आँकड़े—जीवन का अधिकार से। देश में मातृ मृत्यु दर तेजी से घटकर 212 से 88 पर आ गई है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ने चार करोड़ से अधिक माताओं के बैंक खातों में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक सीधे हस्तांतरित कर सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव मजबूत की है।

देश में बने 12 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों ने महिलाओं को गरिमा दी। 10.5 करोड़ से अधिक उज्ज्वला कनेक्शनों ने धुएँ से मुक्ति दी। विश्व बैंक मानता है- भारत ने एक दशक में खाता-स्वामित्व के जेंडर गैप को शून्य पर ला दिया है, जो वैश्विक वित्तीय समावेशन के इतिहास में अभूतपूर्व है। मुद्रा योजना के तहत 52 करोड़ से अधिक जमानत-मुक्त ऋणों में से 68% ऋण महिलाओं को मिले हैं। स्टैंड-अप इंडिया ने महिला उद्यमियों को 43,000 करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं और "दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत 91 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों ने 12 लाख करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी जुटाई है।" निर्धारित समय से पहले 3 करोड़ बहनें 'लखपति दीदियाँ' बन चुकी हैं। यह बदलाव शिक्षा और रोजगार में भी स्पष्ट है। इसी आर्थिक-सामाजिक चेतना का विस्तार राजनैतिक और लोकतांत्रिक भागीदारी में दिख रहा है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में पहली बार महिलाओं का मतदान प्रतिशत पुरुषों से अधिक रहा। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों में 31.2 करोड़ महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया—यह वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक भागीदारी थी। इसी के फलस्वरूप दशकों से लंबित 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' संसद में ऐतिहासिक सर्वसम्मति से पास हुआ। आज जमीनी स्तर पर 14.5 लाख से अधिक महिला प्रतिनिधि पंचायतों का नेतृत्व कर रही हैं। देश की रक्षा की अग्रिम पंक्ति में भी महिलाएँ राफेल उड़ा रही हैं और नौसेना की कमान संभाल रही हैं।

मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) अधिनियम, 2019 ने ट्रिपल तलाक पर प्रभावी रोक लगाई, जिससे ऐसे मामलों में 82% की कमी आई है। बेशक, महिला सशक्तिकरण की राह में अभी भी चुनौतियाँ हैं जिन पर सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

विजिलेंस ने एक लाख रुपये रिश्वत लेते हुए सब-इंस्पेक्टर रंगे हाथ पकड़ा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स, जालंधर में तैनात सब-इंस्पेक्टर अमनदीप सिंह को 1,00,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। राज्य विजिलेंस ब्यूरो के आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को गांव गोहावर, थाना गोराया, जिला जालंधर की निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उसके भाई के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है और उक्त एसआई अमनदीप सिंह इस मामले में उनके परिवार के अन्य सदस्यों को भी फंसाने तथा उनकी संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई करने की धमकियां दे रहा था। शिकायतकर्ता ने उक्त पुलिस कर्मचारी द्वारा रिश्वत मांगने की बातचीत भी रिकॉर्ड कर ली थी और रिश्वत देने के लिए तैयार न होने पर शिकायतकर्ता ने विजिलेंस ब्यूरो यूनिट कपूरथला से संपर्क किया। उसकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए टीम ने जाल बिछाया, जिसके दौरान आरोपी एसआई को दो सरकारी गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से 1,00,000 रुपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार कर लिया गया।

भारत का 'वेनिस', यहां पानी में तैरती हैं सड़कें, बैकवॉटर बोटिंग

Travelling इटली के खूबसूरत शहर वेनिस के बारे में आपने खूब सुना होगा लेकिन क्या भारत के वेनिस कहे जाने वाले गांव को देखा है। भारत में भी वेनिस जैसे नजारे वाला खूबसूरत गांव है, जहां पर पानी पर...

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

आपने इटली के खूबसूरत शहर वेनिस के बारे में खूब सुना होगा कि वह कितना खूबसूरत है और वहां का नजारा किसी स्वर्ग जैसा लगता है। वेनिस लगभग 150 से अधिक नहरों और 400 से अधिक पुलों से जुड़ा हुआ है। वहां सड़कें कम और पानी ज्यादा दिखाई देगा, लेकिन अगर हम आपको बताए कि वेनिस जैसा ही नजारा आप भारत में देख सकते हैं तो? जी हां, भारत का वेनिस कहा जाने वाला एक गांव केरल में मौजूद है, जहां पर पानी में तैरती हुई सड़कें दिखेंगी। इस खूबसूरत गांव में चारों तरफ हरियाली और पानी ही दिखाई देगा। हम जिस गांव की बात कर रहे हैं वह केरल के अलप्पुझा जिले में स्थित है। इस गांव को लोगों ने टूरिस्ट स्पॉट भी बना लिया है और यहां पर पानी से जुड़ी कई एक्टिविटीज आप कर सकते हैं। तो चलिए इस गांव के बारे में पूरी जानकारी देते हैं।

कौन सा है गांव

केरल राज्य के अलप्पुझा जिले में मौजूद कुट्टनाड क्षेत्र में स्थित वेलियानाड गांव की हम बात कर रहे हैं, जिसे भारत का वेनिस कहा जाता है। अगर आप कभी केरल जाने का प्लान बनाते हैं, तो इस गांव को देखने जरूर जाएं। आपको भारत में ही वेनिस का फुल मजा मिल जाएगा। सिर्फ भारतीय ही नहीं बल्कि विदेशी भी इस गांव को देखने आते हैं और यहां की तस्वीरें खींचते हैं। इस वेनिस इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहां पर भी चारों तरफ पानी ही दिखेगा।

बैकवॉटर बोटिंग का मिलेगा मजा

वेलियानाड गांव में आप बैकवॉटर बोटिंग का मजा, हाउसबोट का एक्सपीरियंस, नेचर फोटोग्राफी कर सकते हैं। बैकवॉटर बोटिंग के दौरान आप हरे-भरे धान के खेत और पक्षियों और जलीय जीवों को देख सकते हैं। अगर यहां रुकने का प्लान है, तो लकड़ी से बने घर में ठहरें। ये आपके लिए नया और अच्छा एक्सपीरियंस होगा।

घूमने का सही समय

वेनियानाड गांव घूमने जाने का प्लान कर रहे हैं, तो सही सीजन चुनें। आप अक्टूबर से मार्च तक के बीच में घूमने जा सकते हैं। वैसे तो ऑफ सीजन में जाना भी सही होता और इस समय भीड़ भी कम मिलेगी, लेकिन हल्की गर्मी रहती है। साथ ही कभी भी बारिश हो सकती है।

कैसे पहुंचे यहां

वेलियानाड गांव जाने के लिए आप ट्रेन, फ्लाइट या फिर बस वाला साधन चुन सकते हैं। जो भी आपके बजट और बेहतर ऑप्शन के हिसाब से हो। तो चलिए आपको तीनों साधन से पहुंचने का जरिया बताते हैं-

फ्लाइट से जाने पर

सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है- Cochin International Airport। एयरपोर्ट से आप टैक्सी या फिर कैब लेकर सीधा वेलियानाड गांव पहुंच सकते हैं।

ट्रेन से जाने पर

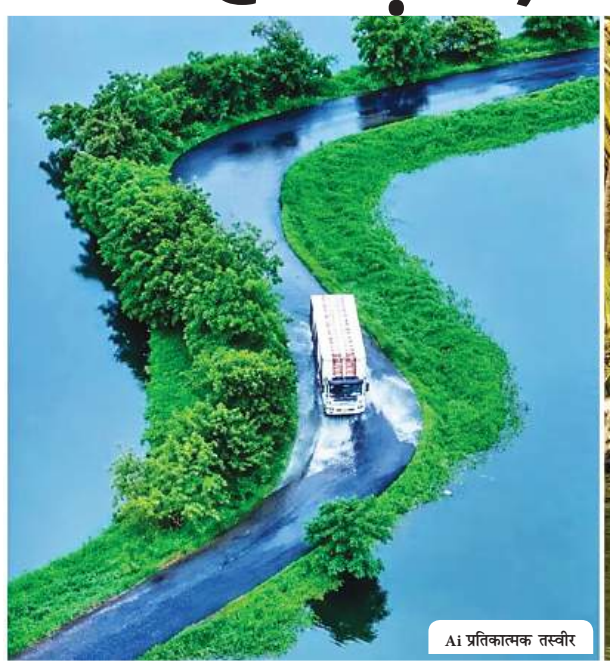
Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

यहां पहुंचने के लिए सबसे करीबी Alappuzha Railway Station, Kottayam Railway Station है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु और अन्य बड़े शहरों से इन स्टेशनों के लिए ट्रेनें मौजूद हैं। स्टेशन से आगे टैक्सी या स्थानीय बस मिल जाती है।

बस से जाने पर

अगर आप बस से जाने का प्लान कर रहे हैं, तो पहले दिल्ली से मुंबई और फिर मुंबई से कोचीन पहुंचना होगा। इसके बाद कोचीन से अलेप्पी (अलप्पुझा) के लिए बस लेनी पड़ेगी। अलेप्पी से आप बस, टैक्सी या ऑटो के जरिए वेलियानाड पहुंच सकते हैं। यह बस मार्ग काफी लंबा है और पूरी यात्रा में लगभग 3-4 दिन का समय लग सकता है। हालांकि, बस से जाने का समय उसके कनेक्शन और रुकने के समय पर निर्भर करेगा।

LIFESTYLE

पानी पीने लायक साफ है या नहीं? पता करने का आसान सस्ता हैक हो रहा वायरल

नल, कुआं या हैंडपंप से निकल रहा पानी साफ-सुथरा पीने लायक है या नहीं, इस बात का पता करने के लिए पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं, सिंपल से हैक से रास्ते में भी पता चलेगा पानी पीने...

• **जालंधर ब्रीज** . फीचर

पानी पीने के लिए आप मार्केट से बोतल वाला पानी खरीद लेते हैं। लेकिन काफी सारे लोग ऐसे भी हैं जो 20-30 रुपये पानी की बोतल के खर्च नहीं कर सकते। ऐसे में वो किसी नल या सार्वजनिक जगह पर लगे वाटर सोर्स से पानी लेकर पीते हैं। यहीं नहीं कई बार हम दूर-दराज गांव या ऐसे शहर के बाहरी एरिया में होते हैं जहां पर आपको बोतलबंद पानी आसानी से नहीं मिलता।

ऐसे में ये पता करना कि जो पानी हम नल या हैंडपंप से पी रहे वो पीने लायक है भी या नहीं मुश्किल होता है। कई बार नल वगैरह से आने वाला पानी गंदा और दूषित होता है। जिससे बीमार होने, पेट में इंफेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। लेकिन ये सिंपल सा हैक जरूर जान लें, जिसे यूपी-बिहार के गांव वाले खूब जानते हैं और इस हैक की मदद से पता कर लेते हैं कि पानी पीने लायक है या नहीं। आप भी जान लें साफ पीने लायक पानी पता करने का ये हैक।

पीने लायक पानी है या नहीं पता करने का हैक

पानी पीने लायक है या नहीं, इसे पता करने का बहुत ही साधारण और सस्ता हैक है, जिसकी जानकारी हर आम इंसान को होनी चाहिए। जिससे वो बोतल बंद पानी के पीछे पैसे खर्च करने से बच सके और शुद्ध साफ पानी पी सके। इस काम में मदद करेंगी अमरूद की पत्तियां। जिनकी मदद से आपको पता चल सकता है कि पानी में कौन सी अशुद्धियां हैं और ये पानी पीने लायक है या नहीं।

पानी में होती है ये अशुद्धियां

कुआं, हैंडपंप या नल से आने वाली पानी में कई बार आर्सेनिक, आयरन और हैवी मेटल मिले होते हैं। जो ना केवल पेट और लिवर की बीमारी देते हैं बल्कि कैंसर जैसी घातक बीमारी के कारण भी बन जाते हैं। ऐसे में अमरूद की पत्ती बड़े काम आने वाली है।

अमरूद की पत्ती से जानें पानी पीने लायक है या नहीं?

हैंडपंप, कुआं या नल का पानी पीना पड़ता है तो अमरूद के पेड़ से पत्तियों को तोड़कर लाएं और घर बैठे अपने पानी की शुद्धता की जांच कर लें। इसके लिए अमरूद की पत्तियों में से बिल्कुल ताजे कोपल ले आएं। मतलब पत्तियां जो डाल के सिरे पर बिल्कुल आगे की तरफ होती है और मुलायम छोटी-छोटी होती है। इन्हीं पत्तियों को कोपल बोलते हैं।

बस किसी ट्रांसपैरेंट कांच के गिलास या सिंपल स्टील के गिलास में पानी लें।

अब इन मुलायम और छोटी पत्तियों को लेकर हाथ से मसलें। फिर पानी के गिलास में डाल दें।

मात्र एक से दो मिनट में ही पानी का रंग अगर बदल कर लाल सा दिख रहा तो इसका मतलब है कि पानी में आर्सेनिक, आयरन की मात्रा ज्यादा है।

वहीं अगर पानी शुद्ध होगा और उसमे आयरन, आर्सेनिक की मात्रा ज्यादा नहीं होगी तो पानी का रंग नहीं बदलेगा।

पानी की शुद्धता चेक करने का ये तरीका काफी पुराना है और इसका इस्तेमाल ज्यादातर गांवों और दूर-दराज के इलाकों में भी किया जाता है। जिससे साफ पीने वाले पानी का पता बड़े आसानी से चल जाता है और पैसे भी खर्च नहीं करने पड़ते हैं।

डिस्क्लेमर : यह लेख केवल सामान्य जानकारी के उद्देश्य से लिखा गया है। इसे किसी भी तरह से पेशेवर मेडिकल सलाह का विकल्प न मानें। किसी भी स्वास्थ्य समस्या या मेडिकल कंडीशन से जुड़े सवालों के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

खट्टा, मीठा और मसालेदार स्वाद एक साथ! गर्मी में ट्राई करें कच्चे आम की ये मजेदार ड्रिंक

गर्मी में कुछ ठंडा, चटपटा और ताजगी से भरपूर पीने का मन हो तो कच्चे आम का यह खास शरबत जरूर ट्राई करें। इसका खट्टा-मीठा स्वाद और मसालों का तड़का हर घूंट को मजेदार बना देता है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

गर्मी की दोपहर हो, तेज धूप से घर लौटे हों या फिर कुछ ऐसा पीने का मन हो जो एक ही घूंट में ताजगी भी दे और स्वाद भी, तो कच्चे आम का यह खास शरबत आपके लिए बिल्कुल सही है।

आमतौर पर लोग गर्मियों में तरह-तरह के ठंडे पेय पीते हैं, लेकिन कच्चे आम, पुदीना और मसालों से बना यह शरबत स्वाद के मामले में सबसे अलग है।

इसकी पहली चुस्की में खटास महसूस होती है, फिर मिठास आती है और आखिर में मसालों का मजेदार ट्विस्ट मुंह में रह जाता है। यही वजह है कि एक गिलास खत्म होने के बाद दूसरा गिलास लेने का मन करने लगता है। अगर इस गर्मी मेहमानों को कुछ अलग परोसना है, तो यह रेसिपी जरूर ट्राई करें।

एक गिलास में मिलेगा खट्टा, मीठा और मसालेदार स्वाद का मजेदार मेल : कच्चे आम की खटास, पुदीने की ठंडक और मसालों का चटपटा स्वाद मिलकर इस शरबत को साधारण पेय से कहीं ज्यादा खास बना देते हैं।

शरबत बनाने के लिए सामग्री

- 2 कच्चे आम
- ताजा पुदीने की पत्तियां
- 1 से 2 हरी मिर्च
- स्वादानुसार नमक
- स्वादानुसार चीनी
- आधा चम्मच भुनी काली मिर्च
- 1 चम्मच भुना जीरा
- आधा चम्मच भुनी सौंफ
- बर्फ के टुकड़े

- ऐसे बनाएं कच्चे आम का मजेदार शरबत
- **स्टेप 1 :** कच्चे आम को नरम होने तक उबाल लें। ठंडा होने पर उसका छिलका और गुठली अलग कर दें।
- **स्टेप 1 :** आम का गूदा, पुदीना, हरी मिर्च, नमक, चीनी, काली मिर्च, जीरा और सौंफ को एक साथ पीस लें।
- **स्टेप 1 :** जरूरत के अनुसार ठंडा पानी मिलाकर इसे अच्छी तरह तैयार कर लें।
- **स्टेप 1 :** गिलास के किनारों पर नींबू रगड़ें और फिर काला नमक व लाल मिर्च वाले मिश्रण में डुबो दें।
- **स्टेप 1 :** गिलास में बर्फ डालें और तैयार शरबत भर दें।

इस शरबत की सबसे मजेदार बात

- कच्चे आम की खटास, पुदीने की ठंडक और मसालों का चटपटा स्वाद मिलकर इस शरबत को साधारण ड्रिंक से कहीं ज्यादा खास बना देते हैं।
- यह शरबत दिखने में जितना आकर्षक लगता है, स्वाद में उससे भी ज्यादा मजेदार होता है। एक बार पीने के बाद हर कोई इसकी रेसिपी जरूर पूछेगा।
- धूप से घर लौटने के बाद इसका एक गिलास शरीर और मन दोनों को ताजगी दे सकता है।
- स्वाद को और मजेदार बनाने के टिप्स
- ज्यादा चटपटा स्वाद पसंद हो तो थोड़ा अतिरिक्त भुना जीरा डालें।
- पुदीना ज्यादा डालने से ताजगी और बढ़ जाएगी।
- चाहें तो ऊपर से कुछ पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं।

5 चीजें जिन्हें खाकर बढ़ जाएगी बच्चे की हाइट, उम्र के मुताबिक होगी सही ग्रोथ

जालंधर ब्रीज (फीचर) . बच्चों की ग्रोथ और हाइट ना बढ़ना पेरेंट्स के लिए एक चिंता विषय बनता जा रहा है। वैसे तो हाइट ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं लेकिन एक सबसे कॉमन कारण पोषण की कमी है। आजकल के बच्चे अपना पेट भरने के लिए खाना छोड़कर चिप्स, कोल्ड ड्रिंक और नूडल्स जैसी चीजों को खाना पसंद करते हैं। हालांकि. हड्डियों और शरीर के विकास के लिए सही पोषण की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। यहां 5 उन चीजों के बारे में बता रहे हैं जो हाइट और ग्रोथ बूस्ट कर सकती हैं।

1) दूध और डेयरी प्रोडक्टस : बच्चे को रोजाना के रूटीन में दूध, दही, पनीर और चीज दें। ये सभी चीजें कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी से भरपूर होती हैं। दूध और उससे बनी चीजों को खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं और हाइट बढ़ती है।

दांत और हड्डियां मजबूत : प्रोटीन की मात्रा अच्छी होती है जिससे टिशू ग्रोथ में मदद मिलती है।

2) अंडे : अंडों में प्रोटीन और जरूरी अमीनो एसिड और विटामिन डी होता है। ये हड्डियों की ग्रोथ और मसल्स डेवलपमेंट के लिए जरूरी होता है।

3) दाल और फलियां : दाल, छोले और राजमा जैसी चीजों में प्लांट बेस प्रोटीन, आयरन और मैग्नीशियम होता है। ये ग्रोथ और हड्डियों की हेल्थ के लिए बेहतरीन होता है

- सपोर्ट बोन और मसल्स ग्रोथ
- केल्शियम अब्सॉर्प्शन बेहतर होता है।
- एनर्जी और इम्यूनिटी बूस्ट होती है।
- ओवरऑल डेवलपमेंट में मददगार।

4) बीज और नट्स : बादाम, अखरोट, अलसी के बीज, चिया सीड्स, कद्दू के बीज में हेल्दी फैट्स होते हैं। ये प्रोटीन, कैल्शियम, जिंक से भरपूर होते हैं। ये हड्डियों की ग्रोथ और हार्मोन बैलेंस में मदद करते हैं।

- हड्डियों को ताकत।
- ग्रोथ हार्मोन फंक्शन को करते हैं सपोर्ट
- ब्रेन और ओवरऑल बॉडी डेवलपमेंट में मददगार।
- इम्यूनिटी होगी बूस्ट।

5) हरी पत्तेदार सब्जियां : पालक, मेथी, ब्रोकली, केल में कैल्शियम, आयरन, विटामिन ए, सी और के की भरपूर मात्रा होती है। ये हड्डियों की ग्रोथ और ओवरऑल हेल्थ के लिए जरूरी हैं।

- कोलेजन बनाने में मददगार।
- आयरन लेवल और इम्यूनिटी बेहतर होती है।
- ओवरऑल ग्रोथ और डेवलपमेंट में मददगार।

डिस्क्लेमर : यह लेख मात्र सामान्य जानकारी के लिए है। किसी भी प्रयोग से पहले विशेषज्ञ की राय अवश्य लें।

बिजी इज द न्यू स्मोकिंग- अगर आप हमेशा कहते हैं 'मैं बहुत बिजी हूं', तो यह खबर आपके लिए है!

Health क्या आपका दिन भी सुबह से रात तक भागदौड़ में गुजरता है? डॉक्टरों का कहना है कि हर समय काम में डूबे रहना धीरे-धीरे शरीर को नुकसान पहुंचा सकता है। जानिए क्यों इसे नई धूम्रपान की आदत कहा जा रहा है।

• **जालंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

Ai प्रतिकात्मक तस्वीर

सुबह आंख खुलते ही फोन देखना, पूरे दिन काम में लगे रहना और रात को थककर बिस्तर पर गिर जाना। आजकल लाखों लोगों की जिंदगी कुछ ऐसी ही हो गई है। इतना ही नहीं, कई लोग तो खुद को बहुत बिजी दिखाने में गर्व भी महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि हर समय काम में लगे रहना आपकी सेहत पर क्या असर डाल रहा है? एक डॉक्टर ने हाल ही में कहा कि 'हर समय बिजी रहना अब नई धूम्रपान की आदत जैसा बनता जा रहा है।' यानी जिस तरह पहले लोग धूम्रपान के नुकसान को नजरअंदाज करते थे, उसी तरह आज लोग लगातार काम करने के नुकसान को नजरअंदाज कर रहे हैं।

शरीर हमेशा तनाव में रहता है : जब आप बिना रुके काम करते रहते हैं, तो शरीर को आराम करने का मौका नहीं मिलता। उसे लगातार लगता है कि कोई चुनौती सामने है। इससे तनाव बढ़ सकता है और शरीर थका हुआ महसूस करने लगता है।

नींद खराब होने लगती है : बहुत ज्यादा काम करने वाले लोगों को अक्सर नींद से जुड़ी परेशानियां होने लगती हैं। देर रात तक काम करना या लगातार दिमाग चलाते रहना अच्छी नींद का दुश्मन बन सकता है।

बार-बार बीमार पड़ सकते हैं : जब शरीर को आराम नहीं मिलता, तो उसकी ताकत भी कम होने लगती है। ऐसे में सर्दी, खांसी और दूसरी छोटी-मोटी परेशानियां जल्दी घेर लेती हैं।

दिल पर भी पड़ता है असर : लगातार तनाव और थकान दिल की सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। यही वजह है कि विशेषज्ञ काम और आराम के बीच संतुलन बनाने की सलाह देते हैं।

बिजी रहना और सफल होना एक जैसी बात नहीं

कई लोग पूरे दिन व्यस्त रहते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि उनका काम भी उतना ही अच्छा हो। कई बार कम समय में ध्यान लगाकर किया गया काम ज्यादा बेहतर परिणाम दे देता है।

खुद को बचाने के लिए क्या करें?

हर दिन थोड़ा रुकें : दिनभर में कुछ मिनट सिर्फ अपने लिए निकालें। यह समय आपके शरीर और दिमाग दोनों के लिए जरूरी है।

ना कहना भी सीखें : जरूरी नहीं कि हर काम आप ही करें। कुछ जिम्मेदारियों को मना करना भी ठीक है।

टहलने की आदत डालें : दिन में थोड़ी देर खुली हवा में चलना तनाव कम करने में मदद कर सकता है।

फोन और स्क्रीन से दूरी बनाएं : कुछ समय बिना फोन और स्क्रीन के बिताने की कोशिश करें। इससे दिमाग को आराम मिलता है।

अच्छी नींद को प्राथमिकता दें : रात की अच्छी नींद शरीर की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। इसे इग्नोर ना करें।

डिस्क्लेमर : इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें।

आंकड़ों से आपूर्ति तक : आईसीएमआर बेहतर भविष्य के लिए भारत के स्वास्थ्य अनुसंधान को नए सिरे से आकार दे रहा है

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

"प्रभाव अकेले किसी व्यक्ति से नहीं - बल्कि प्रणालियों के तालमेल से संभव होता है। साथ मिलकर, हम आंकड़ों से... निर्णय ... और फिर प्रभाव छोड़ने तक की यात्रा पूरी करेंगे।"

अब जबकि देश 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमारे सामने सवाल सिर्फ बीमारियों का इलाज करने के तरीकों का नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगा लेने वाली एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण का भी है जो सबके लिए न्यायसंगत और नई सोच पर आधारित हो। इस बदलाव के केन्द्र में स्वास्थ्य अनुसंधान का एक ऐसा नया दृष्टिकोण है, जो आंकड़ों (डेटा) को निर्णयों से और फिर निर्णयों को प्रभाव से जोड़ता है।

डॉ. राजीव बहल
(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक हैं)

कोविड-19 महामारी से मिले कठोर अनुभवों से सीख लेते हुए, जैव-चिकित्सा अनुसंधान (बायोमेडिकल रिसर्च) की देश की शीर्ष संस्था, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए हैं। इन सुधारों में संस्थागत ढांचे को नए सिरे से तैयार करने से लेकर अनुसंधान के लिए फंड देने और उसे असरदार नतीजों में बदलने के तरीकों को ठोस बनाना शामिल है। जो प्रणाली कभी बिखरी हुई और जांचकर्ताओं की पूछताछ पर टिकी थी, वह अब तकनीक द्वारा संचालित और लक्ष्यों पर केन्द्रित एक इकोसिस्टम में बदल रही है। यह बदलाव महज प्रशासनिक नहीं, बल्कि दार्शनिक भी है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, संस्थान-आधारित समन्वित अनुसंधान की दिशा में एक ऐसी सोची-समझी पहल को दर्शाता है, जहां विज्ञान का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान का सृजन करना नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों का समाधान करना भी है। इस बदलाव का एक मुख्य आधार आईसीएमआर के संस्थागत ढांचे का पुनर्गठन है। हालिया सुधारों ने कई संस्थानों के दायित्वों को बढ़ाया है और उन्हें सीमित दायरे वाली इकाइयों के बजाय अंतर-विषयक केन्द्रों के रूप में नई पहचान दी है। डिजिटल हेल्थ एवं डेटा साइंस, बच्चों की सेहत, महिलाओं की सेहत, और खून व प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी बीमारियों जैसे क्षेत्रों की ओर संस्थानों का झुकाव, भारत में बीमारियों के बदलते स्वरूप और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है। देश भर में - पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम के जोधपुर तक - क्षेत्रीय 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च' के नेटवर्क का निर्माण एक और अहम कदम है। ये संस्थान राज्य और जिला स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर संक्रियात्मक अनुसंधान (ऑपरेशनल रिसर्च) करेंगे, ताकि जरूरी अनुसंधान और उसके नतीजों का जमीनी स्तर पर सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार विज्ञान की दिशा में एक ऐसे रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीनोमिक्स और रियल-टाइम डेटा सिस्टम सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं।

अलग-थलग रहकर काम करने के तरीके से हटकर एक आपस में जुड़े हुए राष्ट्रीय अनुसंधान इकोसिस्टम की दिशा में बढ़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अब संस्थानों को ऐसे रिसोर्स सेंटरों के तौर पर देखा जा रहा है जो एक साझा राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें और किसी एक स्थान पर मिले साक्ष्यों का उपयोग पूरे देश में कार्रवाई के लिए किया जाना सुनिश्चित करें। प्रणालीगत-स्तर की यह सोच एक ऐसे दौर में बेहद जरूरी है जब स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां - चाहे वे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) या महामारी या फिर गैर-संचारी रोगों से जुड़ी हों - जटिल और आपस में जुड़ी हुई हैं। संस्थागत सुधारों के साथ-साथ, अनुसंधान से संबंधित फंडिंग इकोसिस्टम को बुनियादी तौर पर फिर से तैयार करना भी जरूरी है। फंडिंग के तरीके की दृष्टि से, आंतरिक (इंट्रा-म्यूरल) और बाह्य (एक्स्ट्रा-म्यूरल) अनुसंधान के बीच का विभाजन बिल्कुल साफ है। लेकिन साथ ही, उन्हें एक अपेक्षाकृत अधिक एकजुट और नतीजे पर केन्द्रित ढांचे के जरिए जोड़ा जाता है। आंतरिक अनुसंधान (इंट्राम्यूरल रिसर्च) अब मुख्य रूप से संस्थान की पहल पर की जाती है। यह स्पष्ट रूप से तय लक्ष्यों के अनुरूप होती है और अनुसंधान के नतीजों को असल इस्तेमाल में लाने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए इसे एक तय समय-सीमा के भीतर व्यवस्थित किया जाता है। दूसरी ओर, बाह्य अनुसंधान (एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च) को चार चरणों वाले नवाचार चक्र - विवरण, खोज, विकास और आपूर्ति - में फिर से व्यवस्थित किया गया है।

ऐतिहासिक कार्यकाल, परिवर्तनकारी नेतृत्व

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत ने 10 जून, 2026 को अपने लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज किया। इस रोज नरेंद्र मोदीजी ने प्रधानमंत्री के रूप में निर्बाध सेवा के 4,399 दिन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सिर्फ राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को ही नहीं दिखाती। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के लोगों के अडिग विश्वास और आस्था को भी प्रतिबिंबित करती है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के लिए अथक प्रतिबद्धता तथा भारत की अवाम के कल्याण और आकांक्षाओं प्रति अटूट निष्ठा को प्रतिबिंबित करती है।

नरेंद्र मोदीजी ने राष्ट्र के प्रधान सेवक के रूप में भारत में सुशासन और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर आधारित अभूतपूर्व परिवर्तन के युग की शुरुआत की है। इतिहास अब्राहम लिंकन को मानव दासता का अभिशाप खत्म कर लाखों लोगों की गरिमा बहाल करने में उनके अडिग नेतृत्व के लिए उनका आदर करता है। इसी तरह, आने वाली पीढ़ियां 25 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पूर्ण निर्धनता से बाहर निकालने के लिए नरेंद्र मोदीजी को याद करेंगी। उनकी दृष्टि, अथक प्रयासों और परिवर्तनकारी शासन ने अनगिनत परिवारों को अवसर, गरिमा और उम्मीद देकर सशक्त बनाया है तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य के आश्वासन को अपनाने में समर्थ बने हैं। उनका योगदान मानवता की सेवा में एक युगांतरकारी उपलब्धि के रूप में इतिहास में दर्ज रहेगा।

इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। निःशुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है। कुल मिला कर, ये पहलकदमियां एक सहृदय शासन और प्रत्येक भारतीय के कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के स्थाई प्रतीक हैं। प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है—चाहे वे महिलाएं हों, युवा हों, किसान हों या वंचित वर्ग के लोग। 3 करोड़ से ज़्यादा 'लखपति दीदियों' का सामने आना महिला नेतृत्व में विकास के उनके दृष्टिकोण का एक सशक्त प्रमाण है, जबकि 'नारी शक्ति' के तहत शुरू की गई पहलों ने महिलाओं को देश के निर्माण में और भी अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है। नए आईआईटी, एम्स, मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेज़ी से बढ़ा है, जिससे देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हुए हैं।

सीपी राधाकृष्णन
(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

साथ ही, भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति देखी है। वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों के तेज़ी से विस्तार से लेकर दूर-दराज़ के इलाकों तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं तक, उनके नेतृत्व में एक आधुनिक, आपस में जुड़े हुए और महत्वाकांक्षी भारत की नींव रखी है। इन उपलब्धियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि देश भर के लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है।

भारत डिजिटल नवाचार, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, वैक्सीन बनाने और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है।

भारत का सांस्कृतिक पुनरोद्धार काल

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत आज विकास के विभिन्न आयामों में तेज गति से प्रगति कर रहा है। अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भौतिक प्रगति के इन आयामों में आगे बढ़ते हुए यह भी आवश्यक है कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति, इतिहास, धरोहर और विरासत को विस्मृत ना करें। भारत विश्व की प्राचीनतम जीवंत संस्कृतियों में से एक है, शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के साथ चले संघर्ष में देश में राजनीतिक सत्ता में परिवर्तन आता रहा, लेकिन भारत अपनी संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सफलतापूर्वक स्थानांतरित करता रहा। इन वर्षों में हुई राजनीतिक उथल पुथल में हमारे अनेक उपासना स्थल, ग्रंथ, पुस्तकालय, विश्वविद्यालयों का विध्वंस किया गया, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराएं फिर भी जीवित रहीं। सांस्कृतिक भारत पर दूसरी चोट हमारी शिक्षा पद्धति को बदलने से हुई, जिसके द्वारा हमारे अंतर्मन में अपनी संस्कृति के प्रति हीन भावना उत्पन्न करने के प्रयास हुए।

गजेन्द्र सिंह शेखावत
(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार है)

वर्ष 2014 से भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के साथ साथ सांस्कृतिक रूप से भी एक बड़ी करवट ली, जिसे हम संस्कृति के पुनरोद्धार के आरंभ का वर्ष भी कह सकते हैं। सांस्कृतिक भारत आज अपने गौरवशाली अतीत को पुनः स्मरण करते हुए उसके वैभव, उसकी भव्यता को ना सिर्फ पुनर्स्थापित कर रहा है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी वह संस्कृति पुनः स्थापित हो रही है। आज हमारे उत्सव, प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक, खान-पान, वस्त्र, कला, नृत्य, संगीत, शास्त्र, शिल्प वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं।

भारतीय संस्कृति की बढ़ती स्वीकार्यता

पिछले 12 वर्षों में विश्व में भारतीय संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ी है। आज पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस मना रहा है। ये सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, अपितु यह प्राचीन भारतीय दर्शन हैस जिसे विश्व ने मान्यता दी। मानव जीवन में उसकी उपयोगिता को देखते हुए उसे अपनाया। आज विश्व के अनेक देशों से हमारी धरोहरें वापस देश में लौटीं हैं, जिनकी संख्या भी एक रोचक तथ्य है। वर्ष 2013 से पूर्व मात्र 13 धरोहरों को विदेशों से भारत लाया गया था, जबकि पिछले 12 वर्षों में 640 से अधिक धरोहरें विदेशों से भारत लौटी हैं। ये दर्शाता है कि संस्कृति में सिर्फ परंपराएं ही नहीं, अपितु संस्कृति के प्रतीक चिह्नों को वापस लाने के प्रति भी हमने गंभीरता दिखाई है। ये प्रतीक चिह्न हमारे लिए गौरव का विषय हैं, जो हमारे पूर्वजों की कला, शिल्प और विभिन्न विषयों के ज्ञान की निशानियां हैं, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है। दुर्गा पूजा और दीपावली जैसे हमारे सामाजिक उत्सवों को यूनेस्को ने विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। यह मान्यता मात्र उत्सवों को ही नहीं, अपितु इनके पीछे छुपे उन संदेशों को भी मिली है, जो बताती है कि असत्य पर सदैव सत्य की विजय होती है, बुराई हमेशा अच्छाई से पराजित होती है। हमारे प्राचीन इतिहास को भी आज यूनेस्को ने स्वीकारा है। उसका प्रमाण है कि भारत 44 विश्व धरोहर स्थलों के साथ ही विश्व में छटे और एशिया में दूसरे स्थान पर है। यह धरोहरें हमारी विरासत की प्रतीक हैं, जिन्हें देखकर भारतीयों को अपनी संस्कृति और इतिहास का परिचय मिलता है और उस पर गर्व होता है।

भूले और बिखरे ज्ञान का पुनर्संकलन

भारत एक लंबे समय तक विदेशी आक्रांताओं के साथ संघर्षरत रहा है। ज्ञान और संस्कृति का सम्मान ना करने वाले इन विदेशी आक्रमणकारियों ने देश के ज्ञान की अमूल्य विरासत रहे हमारे विश्वविद्यालय, गुरुकुल और पांडुलिपियों में लिखित ज्ञान को नष्ट करने के प्रयास किए। एक लंबे कालखंड में हमारी ज्ञान परंपरा की अमूल्य निधि पांडुलिपियां विभिन्न मठों, मंदिरों, संस्थानों और घरों में संरक्षित की गईं, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। ये दुःख का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद भी इन्हें संकलित कर प्राचीन ज्ञान को पुनः प्राप्त करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

आज संपूर्ण देश में ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के तहत इन पांडुलिपियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि समस्त भारत से अब तक 88 लाख से अधिक पांडुलिपियां प्राप्त हो चुकी हैं।

भारत ने श्रमिकों, किसानों, एमएसएमई के लिए खाड़ी देश में अवसरों के द्वार खोले

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

1 जून से लागू हो रहा भारत-ओमान मुक्त व्यापार समझौता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस मिशन की एक निर्णायक उपलब्धि है, जिसका लक्ष्य नए बाजार खोलने और रोजगार सृजन को गति देने के जरिये भारत के छात्रों, कारीगरों, महिलाओं, किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के लिए वैश्विक समृद्धि के मार्ग बनाना है।

भारत और ओमान के बीच गहरे आर्थिक संबंध हैं और लोगों के आपसी संबंध प्रगाढ़ हैं। ओमान में लगभग 7 लाख भारतीय रहते हैं, जिनमें वे व्यापारी परिवार भी शामिल हैं, जिनकी जड़ें 200-300 साल पुरानी हैं। ओमान से भारत को भेजी जाने वाली वार्षिक धनराशि लगभग 2 बिलियन डॉलर है, जबकि देश में 6,000 से अधिक भारतीय उद्यम कार्यरत हैं।

दोनों देशों के बीच व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) आर्थिक और रणनीतिक संबंधों को महत्वपूर्ण रूप से सुदृढ़ करता है। यह तुरंत ही ओमान में 98% टैरिफ लाइनों के लिए 100 प्रतिशत शुल्क मुक्त बाजार पहुंच की सुविधा देता है, जिसमें 99.38 प्रतिशत निर्यात शामिल है। यह सीईपीए से पहले की प्रणाली की तुलना में एक उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। पहले की प्रणाली में केवल 15.3 प्रतिशत भारतीय निर्यात ओमान में शून्य शुल्क के साथ प्रवेश कर सकते थे। भारत की ऐसी वस्तुएं, जिन पर वर्तमान में ओमान में 5 प्रतिशत आयात शुल्क लगता है और जिनकी कीमत लगभग 3.64 बिलियन डॉलर के निर्यात के बराबर है, अब काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो जाएंगी।

भारत के एमएसएमई क्षेत्र के लिए, यह समझौता परिवर्तनकारी हो सकता है, क्योंकि सीईपीए से लाभान्वित होने वाले कई क्षेत्रों में छोटे व्यवसायों की प्रमुखता है। लोहा और इस्पात, वस्त्र, चमड़ा, वाहन कल-पुर्जे और औद्योगिक उपकरण जैसे कुछ क्षेत्रों में एमएसएमई को बड़े अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर मिलने की उम्मीद है, जिससे उत्पादन, निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

पीयूष गोयल
(लेखक केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री हैं।)

बढ़ती वैश्विक अस्थिरता के युग में, सीईपीए भारतीय निर्यातकों को, जो आर्थिक मंदी और बढ़ते व्यापार बाधाओं का सामना कर रहे हैं, अपने बाजारों को विविध बनाने और परंपरागत बाजारों पर निर्भरता कम करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

रोज़गार सृजन - यह व्यापार समझौता श्रम-गहन क्षेत्रों जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा और जूते, खाद्य प्रसंस्करण, समुद्री उत्पाद, रत्न और आभूषण और कुछ इंजीनियरिंग क्षेत्रों को लाभ पहुँचाता है, जो भारत के प्रमुख रोजगार प्रदाता हैं।

ओमान को होने वाले वस्त्र निर्यात में वृद्धि से उत्पादन में बढ़ोतरी होगी और तिरुपुर, सूरत, लुधियाना, पानीपत, कोयंबटूर, करूर, भदोही, मुरादाबाद, जयपुर और अहमदाबाद जैसे प्रमुख क्लस्टर में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। भारत भर के कारीगर और बुनकर भी अपने उत्पादों की उच्च अंतरराष्ट्रीय मांग से लाभान्वित होंगे।

भारत भर में, विशेष रूप से तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में, साथ ही महाराष्ट्र, पंजाब, कर्नाटक और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों समेत चमड़ा और जूता के प्रमुख केंद्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

रत्न और आभूषण क्षेत्र एक अन्य उदाहरण है, जो दिखाता है कि सीईपीए रोजगार वृद्धि को किस प्रकार तेज करेगा। भारत के पास पहले से ही कटे और पॉलिश किए हुए हीरे, सोने और चांदी के आभूषण तथा हस्तनिर्मित आभूषण उत्पादन में मजबूत क्षमताएं हैं। शुल्क बाधाओं के हटने से, भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय और एशियाई प्रतिस्पर्धियों पर निर्णायक बढ़त मिलेगी। उद्योग जगत का अनुमान है कि अगले तीन वर्षों में ओमान को होने वाला निर्यात बढ़ कर 150 मिलियन डॉलर तक हो सकता है। इससे पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, राजस्थान और गुजरात के आभूषण निर्माण केन्द्रों में महत्वपूर्ण रोजगार संभावनाएं सृजित होने की उम्मीद है।

भारत और ओमान द्वारा एक नए आर्थिक गलियारे को गति

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत और ओमान के बीच वाणिज्यिक रिश्ते सदियों से चलते आ रहे हैं। दोनों देशों का एक साझा इतिहास प्राचीन नावों के पाल पर सवार होकर आगे बढ़ता रहा है और पीढ़ियों से चले आ रहे सांस्कृतिक आदान-प्रदान के जरिए कायम रहा है। भारत-ओमान व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) इस सभ्यतागत बंधन को और मजबूत करता है। एक ऐसे दौर में जब वैश्विक व्यापार भू-राजनैतिक प्रतिद्वंद्विताओं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और बढ़ते संरक्षणवाद से जूझ रहा है, यह समझौता भरोसेमंद साझेदारों के साथ आर्थिक जुड़ाव को गहरा करने के भारत के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। वर्ष 2022 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हुए ऐतिहासिक समझौते के बाद, यह सीईपीए खाड़ी देशों के साथ भारत की बढ़ती आर्थिक भागीदारी को मजबूती से स्थापित करता है।

राजेश अग्रवाल
(लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं)

द्विपक्षीय व्यापार में लगातार विस्तार हुआ है और वित्त वर्ष 2025-26 में यह 11.18 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। जबकि, सेवाओं का व्यापार 2024 में 863 मिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा। आर्थिक रिश्तों का विविधीकरण हुआ है और इसमें परंपरागत वस्तुओं से परे इंजीनियरिंग सामान, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी सेवाओं का समावेश हुआ है। फिर भी, काफी अनछुई संभावनाएं अभी भी बाकी हैं। वस्तुओं एवं सेवाओं के व्यापार, निवेश, पेशेवर आवाजाही और नियामकीय सहयोग को शामिल करके, यह सीईपीए अधिक सुदृढ़, समन्वित और व्यापक आर्थिक साझेदारी का एक व्यापक ढांचा तैयार करता है। इस सीईपीए के तहत ओमान की 98.08 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर भारतीय निर्यात को शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच हासिल है। इस समझौते से पहले, भारत के निर्यात का सिर्फ लगभग 15 प्रतिशत हिस्सा ही सर्वाधिक तरजीह वाले देश (मोस्ट फेवर्ड नेशन) की व्यवस्था के तहत ओमान में शुल्क-मुक्त प्रवेश करता था, जबकि शेष पर 5 प्रतिशत तक का शुल्क लगता था। इस सीईपीए के तहत, भारत के वर्तमान निर्यात की 99.38 प्रतिशत मात्रा अब शुल्क-मुक्त प्रवेश का लाभ उठाएगी।

भारतीय निर्यातकों की दृष्टि से, ये लाभ काफी महत्वपूर्ण हैं। ओमान के 'विजन 2040' के तहत बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक विविधीकरण में उसके द्वारा किए जा रहे निवेश से मांग में वृद्धि होगी। वित्त वर्ष 2024-25 में 875.83 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के इंजीनियरिंग सामानों के निर्यात के 2030 तक बढ़कर 1.3 से 1.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच होने का अनुमान है। शून्य शुल्क की सुविधा के जरिए वस्त्र एवं परिधान सेक्टर को क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धियों पर महत्वपूर्ण बढ़त मिलेगी। इससे तिरुपुर, सूरत, लुधियाना और कोयंबटूर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी और साथ ही रोजगार भी सृजित होगा। मौके व्यापक और विविध हैं। आयात पर निर्भर ओमान का दवा बाजार भारतीय कंपनियों के लिए मजबूत संभावनाएं पेश करता है। नियामकीय मंजूरियों में तेजी, गुणवत्ता प्रमाणपत्रों की मान्यता और प्रमुख उत्पादों के शुल्क-मुक्त पहुंच से अनुपालन संबंधी लागत में कमी आएगी और बाजार में पैठ बढ़ेगी।

नए भारत के दिल की धड़कनों में बसते हैं बिरसा

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

भारत जब अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों को याद करता है तब छोटानागपुर के जंगलों से एक नाम अपनी दृढ़ नैतिक ताकत के साथ उभरता है। यह नाम भगवान बिरसा मुंडा का है जिन्हें 'धरती आबा' यानी भूमि के रक्षक के रूप में पूजा जाता है। वह एक ऐतिहासिक हस्ती से आगे बढ़ कर गरिमा, प्रतिरोध और जनजातीय आत्मसम्मान के जीवंत प्रतीक भी हैं। उनकी सोच थी कि जनजातीय पहचान की रक्षा की जाए, समानता सार्थक हो और विकास आम जन तक न्याय के साथ पहुंचे। उनका यह सिद्धांत अब भी विकसित भारत की ओर देश की यात्रा को निर्देशित करता है। राष्ट्र ने पिछले 12 वर्षों में समावेशी विकास पर नए सिरे से बल दिया है। बिरसा मुंडा के सिद्धांत आज भी नए भारत की नीतियों, शासन और आकांक्षाओं को आकार दे रहे हैं।

रंजना चोपड़ा
(लेखिका जनजातीय कार्य मंत्रालय में सचिव हैं।)

विरासत को मिला उसका सही स्थान

भगवान बिरसा मुंडा की विरासत देश भर में जनजातीय समुदायों के गीतों, आख्यानों, सामूहिक यादों में लंबे समय से जिंदा है। माननीय प्रधानमंत्री ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्म दिवस 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस घोषित कर उनकी विरासत को राष्ट्रीय मान्यता दी। इस मान्यता को और गहराई देते हुए बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवंबर 2024 से 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय गौरव वर्ष मनाया गया। इस दौरान जनजातीय गौरव और विरासत के जश्न में समूचे राष्ट्र में 2 लाख से ज्यादा कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनकी पहुंच 3 करोड़ से अधिक नागरिकों तक रही।

देश भर में, इन आयोजनों ने जनजातीय जीवन की समृद्धि और विविधता को प्रदर्शित किया। नागालैंड के हॉर्नबिल महोत्सव और केरल के जनजातीय साहित्यिक महोत्सव से लेकर, झारखंड के राष्ट्रीय जनजातीय फिल्म महोत्सव और तेलंगाना की 'कैनो स्प्रिंट चैम्पियनशिप' (डोंगी चालन प्रतियोगिता) तक, इन कार्यक्रमों ने जनजातीय संस्कृति, रचनात्मकता, खेल और लोककथाओं को राष्ट्रीय पटल पर खड़ा किया। कुल मिलाकर, इनमें अलग-अलग संस्कृतियों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले 11 लाख से अधिक जनजातीय नागरिकों की भागीदारी देखी गई। ये आयोजन इस बात की घोषणा थे कि आधुनिक भारत को आकार देने में जनजातीय विरासत एक जीवंत और सक्रिय शक्ति है।

जनजातीय सशक्तिकरण और समावेशन की दिशा में पिछले बारह वर्षों के निरंतर और केंद्रित राष्ट्रीय प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, 'जनजातीय गरिमा उत्सव 2026' इस गति को चार विषयगत सप्ताहों के माध्यम से आगे ले जा रहा है, जो मिलकर जनजातीय विकास के संपूर्ण आयाम को दर्शाते हैं। विशेष रूप से इसका तीसरा सप्ताह भारत के भविष्य से जुड़े एक बेहद महत्वपूर्ण प्रश्न पर केंद्रित है: हम उन व्यक्तियों और समुदायों को कैसे पहचानें जिन्होंने इस राष्ट्र को आकार दिया और हम आने वाली पीढ़ी को उस विरासत को आगे बढ़ाने के लिए कैसे सशक्त बनाएं?

इतिहास में विस्मृत नामों की पुनर्स्थापना

इस प्रश्न का उत्तर तलाशने की शुरुआत उन अनेक जनजातीय नायकों को पहचान देने से होती है, जिनका योगदान बहुत लंबे समय तक मुख्यधारा के ऐतिहासिक आख्यानों से गायब रहा।

स्वस्थ भारत, सशक्त भारत- स्वास्थ्य देखभाल विकास के 12 वर्ष

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

बेहतर स्वास्थ्य प्रणाली से आर्थिक उत्पादकता बढ़ती है, कार्यबल की संख्या में बढ़ोतरी होती है और विकास दीर्घावधि तक होता है। इसलिए, अच्छी सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा संकेत है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति भी है। यह वह आधार है, जिस पर मानवीय क्षमता का निर्माण होता है और देश की ताकत मापी जाती है। इसलिए, बेहतर सेहत न केवल समाज के लिए अच्छा है, बल्कि यह देश की एक संपत्ति है और इसमें लगाया गया हर रुपया देश के लोगों में किया गया निवेश है।

अनुप्रिया पटेल
(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री हैं)

इस तरह, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी), यानी यह सुनिश्चित करना कि सभी लोग, चाहे उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति कुछ भी हो, बिना किसी आर्थिक परेशानी के, जब और जहाँ ज़रूरत हो, अच्छी गुणवत्ता की सभी ज़रूरी स्वास्थ्य सेवाएं हासिल कर सकें। यह न केवल 2030 तक हासिल किया जाने वाला सतत् विकास का लक्ष्य है, बल्कि सेहत से जुड़ी एक प्राथमिकता भी है।

भारत की राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 (एनएचपी 2017), सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) और एसडीजी 3 को हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और यह एक सरल लेकिन मज़बूत सोच पर आधारित है - स्वास्थ्य सेवाओं तक हर व्यक्ति की पहुँच होनी चाहिए। इसके चार स्तंभ, किफायती होना, पहुँच, गुणवत्ता और उपलब्धता , उस सोच को वास्तविकता में बदलते हैं और जीवन के सभी चरणों में देखभाल की एक व्यापक व्यवस्था को मज़बूत करते हैं। लक्ष्यों के अनुरूप, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राज्यों को स्वास्थ्य प्रणाली का एक एकीकृत तीन-स्तरीय मॉडल प्रदान करने में मदद करता है, जिसमें ग्रामीण और शहरी इलाकों (कमज़ोर वर्गों सहित) के बीच दोतरफा रेफरल लिंक शामिल हैं।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) प्राथमिक स्तर पर बीमारी से बचाव, सेहत को बढ़ावा देने, इलाज, पुर्नवास और प्रशामक देखभाल जैसी व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। ईसंजीवनी टेलीमेडिसिन प्लेटफ़ॉर्म इन एएएम के ज़रिए समुदाय को विशेषज्ञों से जोड़कर विशेषज्ञों की उपलब्धता सुनिश्चित करता है। साथ ही, एक खास टेली-मानस प्लेटफ़ॉर्म भी है, जिसने अब तक कुल 38.93 लाख लोगों तक पहुँच बनाई है।

एएएम से जुड़े द्वितीय स्तर के केंद्र जैसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी)/प्रथम रेफरल इकाई (एफआरयू) और ज़िला अस्पताल (डीएच) होते हैं, जो विशेषज्ञ के समक्ष इलाज और अस्पताल में भर्ती होने की सुविधा के लिए रेफरल का पहला ज़रिया होते हैं। वहीं, मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक संस्थान सबसे ऊपर होते हैं और ज़्यादा जटिल व सुपर-स्पेशलिस्ट सेवाओं की ज़रूरतें पूरी करते हैं।

इस तीन-स्तरीय प्रणाली को सरकारी स्वास्थ्य बजट में बढ़ोतरी का समर्थन प्राप्त है। पिछले दशक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन पर होने वाला खर्च 168% बढ़ गया है, जो स्वास्थ्य को राष्ट्रीय प्राथमिकता मानने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर का सफ़र व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के विस्तार और प्रतिक्रियात्मक कार्यवाही से समस्या होने से पहले ही ध्यान रखने वाली देखभाल की ओर ज़रूरी बदलाव को दिखाता है।

सीमा पार से हथियार तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़ 8 आरोपित 11 आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार

बरामद हथियार आगे अपराधिक तत्वों को सप्लाई किए जाने थे : डीजीपी गौरव यादव

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने आठ आरोपियों को 11 आधुनिक पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर सीमा पार से हथियार तस्करी के मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान गुलाबजीत सिंह उर्फ प्रिंस (21) और हरप्रीत सिंह उर्फ प्रीत (23), दोनों निवासी गांव अटारी, अमृतसर; गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (24) निवासी गांव हरदोवाल, कलानौर, गुरदासपुर; कुलजीत सिंह (39) और शमशेर सिंह उर्फ शेरा (40), निवासी गांव रणियां, अमृतसर; अमन राणा उर्फ चीनी (20) निवासी छेहरटा, अमृतसर; शरणजीत सिंह उर्फ सनी (29) निवासी गांव किरलगढ़, अमृतसर; और तरनतारन के गांव मालिया के रहने वाले अजय सिंह (23) के रूप में हुई है। बरामद हथियारों में चार .30 बोर (चीनी निर्मित), चार .30 बोर पीएक्स5 स्टॉर्म, एक .30 बोर ज़िगाना, एक 9 एमएम ग्लॉक (ऑस्ट्रियाई निर्मित) और एक 9 एमएम (ऑस्ट्रियाई निर्मित) तथा आठ जिंदा कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा पुलिस टीमों ने आरोपियों की मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार उक्त आरोपी कथित तौर पर अवैध हथियारों की सप्लाई में शामिल विदेशी कारिंदों के संपर्क में थे। उन्होंने कहा कि बरामद किए गए ये हथियार आगे अपराधिक तत्वों को सप्लाई किए जाने थे, जिनका इस्तेमाल जबरन वसूली, हिंसक अपराधों और अन्य अवैध गतिविधियों में होना था। डीजीपी ने कहा कि नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान करने और हथियारों का पता लगाने के लिए इस मामले में आगे-पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है। कार्रवाई के बारे में विवरण साझा करते हुए पुलिस आयुक्त (सीपी) अमृतसर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्राप्त गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने आरोपी गुलाबजीत उर्फ प्रिंस और हरप्रीत उर्फ प्रीत को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया।

उन्होंने कहा कि आगे की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने एक अन्य आरोपी गुरप्रीत उर्फ गोपी को चार पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया और उसके द्वारा किए गए खुलासों के आधार पर पुलिस टीमों ने आगे उसके दो साथियों कुलजीत सिंह और शमशेर उर्फ शेरा को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आयुक्त ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी गुरप्रीत उर्फ गोपी ने खुलासा किया कि वह सोशल मीडिया एप्लिकेशनों के माध्यम से एक विदेशी गैंगस्टर के संपर्क में था, जो उनके लिए अटारी सेक्टर में विभिन्न स्थानों पर ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली हथियारों की खेप का प्रबंध कर रहा था। उन्होंने कहा कि आगे की जांच के दौरान पुलिस टीमों ने दो अन्य आरोपियों अमन राणा उर्फ चीनी और शरणजीत उर्फ सनी को दो पिस्तौलों सहित गिरफ्तार कर लिया और उक्त आरोपियों के खुलासों के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों ने एक पिस्तौल सहित आरोपी अजय सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि जांच के अनुसार आरोपी हरप्रीत उर्फ प्रीत, गुरप्रीत उर्फ गोपी, शरणजीत उर्फ सनी और अजय सिंह पहले हत्या, हत्या की कोशिश, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम और चोरी के मामलों में भी शामिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस संबंध में आगे की जांच जारी है। इस संबंध में तीन अलग-अलग मामले - शस्त्र अधिनियम की धारा 25(8) के तहत थाना एयरपोर्ट पर एफआईआर नंबर 14 दिनांक 01-06-2026, शस्त्र अधिनियम की धारा 25(8) के तहत थाना सदर पर एफआईआर नंबर 122 दिनांक 10-06-2026 और शस्त्र अधिनियम की धारा 25(8) के तहत थाना छेहरटा, अमृतसर पर एफआईआर नंबर 133 दिनांक 16-06-2026 को दर्ज किए गए हैं।

देशव्यापी पीएम-वीबीआरवाई उत्सव में शामिल होगा चंडीगढ़; पीएम करेंगे ₹2,400 करोड़ की प्रोत्साहन राशि के वितरण का नेतृत्व

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना (पीएम-वीबीआरवाई) के सफल कार्यान्वयन के उपलक्ष्य में, श्रम और रोजगार मंत्रालय 19 जून, 2026 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में भारत के माननीय प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान भारत के प्रधानमंत्री प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों को लगभग 2,400 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि वितरित करेंगे। पीएम-वीबीआरवाई के तहत प्रोत्साहन राशि के इस वितरण से 15 लाख से अधिक लोगों के लिए अतिरिक्त रोजगार को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

नई दिल्ली में मुख्य कार्यक्रम में लगभग 1,200 आमंत्रित लोगों के शामिल होने की आशा है, जिनमें नियोक्ता और कर्मचारी, लाभार्थी तथा अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले लाभार्थियों के साथ बातचीत भी करेंगे। इस कार्यक्रम का प्रसारण दूरदर्शन पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया तथा श्रम और रोजगार राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे के साथ-साथ श्रम और रोजगार मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। देशव्यापी पहुंच अभियान के हिस्से के रूप में, देश भर में 200 स्थानों पर एक साथ क्षेत्रीय कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

क्षेत्रीय कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी, जिनमें 2 राज्यपाल, 5 मुख्यमंत्री, 12 केंद्रीय मंत्री, 1 उपमुख्यमंत्री, 13 राज्य श्रम मंत्री, 39 राज्य मंत्री, 59 सांसद, 56 विधायक और 2 महापौर शामिल हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, नियोक्ताओं और कर्मचारियों के साथ उनकी भागीदारी पीएम-वीबीआरवाई की देशव्यापी पहुंच को और मजबूत करेगी और रोजगार सृजन तथा कार्यबल के औपचारिककरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। देशव्यापी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विज्ञान भवन में मुख्य कार्यक्रम की कार्यवाही का प्रसारण सभी क्षेत्रीय स्थानों पर किया जाएगा।

सिख रेजिमेंट ने अग्निवीरों के लिए गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू साइन किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

शिक्षा और कौशल विकास के ज़रिए अग्निवीरों को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, सिख रेजिमेंट ने अमृतसर की गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी (जीएनडीयू) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर साइन किया है। इस एमओयू को 16 जून 2026 को रेजिमेंट की ओर से सिख रेजिमेंटल सेंटर के कमांडेंट ने औपचारिक रूप से साइन किया। इस साझेदारी से सिख रेजिमेंट में सेवा कर रहे अग्निवीरों को अपनी सैन्य ड्यूटी के साथ-साथ उच्च शिक्षा हासिल करने का मौका मिलेगा। इस पहल के तहत, अग्निवीरों को ऐसे डिप्लोमा प्रोग्राम मिलेंगे जिन्हें छह महीने में पूरा किया जा सकता है, साथ ही बैचलर ऑफ़ आर्ट्स (बीए), बैचलर ऑफ़ कंप्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए) और बैचलर ऑफ़ कॉमर्स (बी.कॉम) जैसे अंडरग्रेजुएट डिग्री प्रोग्राम भी मिलेंगे, जिन्हें तीन साल में पूरा किया जा सकता है। इस पहल का मकसद अग्निवीरों की शैक्षणिक योग्यता, पेशेवर क्षमता और लंबे समय के करियर की संभावनाओं को बेहतर बनाना है, ताकि उन्हें सैन्य और नागरिक दोनों तरह के करियर के लिए ज़रूरी कौशल मिल सकें। यह सहयोग अपने सैनिकों के सर्वांगीण विकास और कल्याण के प्रति सिख रेजिमेंट की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह भारत सरकार के उस विज़न के अनुरूप भी है, जिसका मकसद एक कुशल, शिक्षित और भविष्य के लिए तैयार युवा शक्ति का निर्माण करना है, जो राष्ट्र-निर्माण में प्रभावी ढंग से योगदान दे सके।

"स्वयं से पहले सेवा" के अपने गौरवशाली आदर्शों से प्रेरित होकर, सिख रेजिमेंट अपने अग्निवीरों के विकास और सशक्तिकरण में निवेश करना जारी रखे हुए है, ताकि देश की सेवा के दौरान और उसके बाद भी उनका व्यक्तिगत और पेशेवर विकास सुनिश्चित हो सके।

अंतर्राज्यीय सहयोग से अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ पंजाब की लड़ाई हो रही मजबूत

'गैंगस्टरां ते वार' अभियान के तहत राज्यों के साथ साझा पुलिस कार्रवाई के फलस्वरूप गैंगस्टरों, तस्करों और आतंकवादियों पर लगाम कसी

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब पुलिस अपने अधिकार क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए न केवल पड़ोसी राज्यों की पुलिस बलों, बल्कि देश भर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है और आपसी सहयोग को और मजबूत बना रही है। गैंगस्टरों के नेटवर्क का पता लगाने से लेकर अन्य राज्यों के साथ संयुक्त अभियानों को अंजाम देने तक, पंजाब पुलिस ने ऐसे गिरोहों और उनके नेटवर्क की कमर तोड़ने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। खुफिया जानकारी जुटाने से संबंधित नेटवर्क विकसित करने और साझा कार्रवाइयां शुरू करने के साथ-साथ पुलिस यह भी सुनिश्चित कर रही है कि अपराधी भौगोलिक सीमाओं का फायदा न उठा सकें। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने कहा, 'हम अपने उद्देश्य के प्रति पूरी तरह स्पष्ट हैं—अपराधी यहां अपराध करके बच नहीं सकते। पंजाब पुलिस उन्हें हर हाल में काबू करेगी और पीड़ितों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करेगी। 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान कार्रवाई के निर्णायक 148वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हम किसी भी स्थिति में अपराधियों को नहीं छोड़ेंगे। अभियान शुरू होने से अब तक 37,757 सामाजिक विरोधी तत्वों की पहचान और गिरफ्तारी राज्य पुलिस की अपराध से निपटने की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है।'

अंतर्राज्यीय सहयोग के तहत प्रमुख सफलताएं

आईएसआई समर्थित जासूसी और आतंकवादी नेटवर्क का भंडाफोड़: सबसे महत्वपूर्ण सफलताओं में से एक आईएसआई समर्थित जासूसी और आतंकवादी नेटवर्क को नष्ट करना रहा, जिसका संबंध बब्बर खालसा इंटरनेशनल से बताया जाता है। इस संयुक्त अभियान में 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली में कार्रवाई : इस वर्ष की शुरुआत में विभिन्न राज्यों की पुलिस बलों के संयुक्त प्रयासों से दिल्ली में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से संबंधित कई गैंगस्टरों को गिरफ्तार किया गया।

गोल्डी बराड़ के वसूली मॉड्यूल का भंडाफोड़ : इसी दौरान पंजाब पुलिस ने गोल्डी बराड़ से जुड़े एक फिरौती वसूली नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया।

अंतर्राज्यीय लूटपाट गिरोह का भंडाफोड़ : खन्ना पुलिस ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में चोरी, लूट और स्नैचिंग की घटनाओं में शामिल एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया। पुलिस के बीच बेहतर तालमेल और सहयोग के बाद आरोपियों को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया।

ड्रोन तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ : उत्तराखंड एसटीएफ और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में पंजाब के एक फरार आरोपी को गिरफ्तार किया गया, जो पाकिस्तान से ड्रोनों के माध्यम से अवैध हथियार और मादक पदार्थ भारत पहुंचाने वाले नेटवर्क से जुड़ा हुआ था।

जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ साझा अभियान : हाल ही में जम्मू-कश्मीर पुलिस और पंजाब पुलिस के संयुक्त अभियान में अमृतसर के एक फ्लैट से एक एके-47 राइफल, एक पिस्तौल और लगभग 500 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया।

नाकाम कोशिश कर रही 'आप', मान पर वड़िंग का तंज

मान को श्री अकाल तख्त साहिब से टकराव से बचने की दी सलाह

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने आम आदमी पार्टी द्वारा मुख्यमंत्री भगवंत मान के पक्ष में किए जा रहे "कमजोर बचाव" पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी ऐसी बात का बचाव करने की कोशिश कर रही है, जिसका बचाव किया ही नहीं जा सकता। जिन्हें श्री अकाल तख्त साहिब ने भगवंत मान को "गुरु विरोधी और सिख विरोधी" करार दिया गया है। इस संबंध में, वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा कुछ अज्ञात प्रयोगशालाओं की कथित रिपोर्टों का हवाला देकर किए गए दावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, वड़िंग ने कहा कि आप असंभव का बचाव करने की कोशिश कर रही है और एक के बाद एक झूठ बोल रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री को "क्लीन चिट" देने के लिए आम आदमी पार्टी ने मात्र 24 घंटे के भीतर दो अलग-अलग प्रयोगशालाओं से रिपोर्टें कैसे हासिल कर लीं। उन्होंने तंज कसते हुए, कहा कि जब आपको पता था कि झूठ बोलना है, तो कम से कम ढंग से तो झूठ बोल लेते और कुछ समय का इंतजार कर लेते। उन्होंने आप नेताओं से पूछा कि आखिर 24 घंटे के भीतर प्राप्त इन "क्लीन चिट" रिपोर्टों पर कौन विश्वास करेगा? वड़िंग ने कहा कि आप का बचाव पक्ष बेहद कमजोर है और पार्टी अपने ही पहले के रुख का खंडन कर रही है। उन्होंने याद दिलाया कि कुछ महीने पहले जब मुख्यमंत्री मान श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश हुए थे, तब उन्होंने सीधे तौर पर यह कहकर वीडियो को खारिज कर दिया था कि वे एआई के जरिए तैयार किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि जब यह साबित हो गया कि वीडियो वास्तविक हैं और एआई से तैयार नहीं किए गए, तो आप का बचाव बदलकर यह हो गया कि वीडियो में दिखाई देने वाला व्यक्ति मान नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार को सुझाव दिया था कि वे जहां चाहें, वीडियो की फॉरेंसिक जांच करवा लें।

वड़िंग ने आप से यह भी पूछा कि जब ये वीडियो कई महीनों से सार्वजनिक रूप से प्रसारित हो रहे थे, तब कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। अब ही क्यों और इतनी जल्दी क्यों? उन्होंने कहा कि आज आप द्वारा दिया गया बचाव जवाब कम और सवाल अधिक खड़े करता है तथा इससे लोगों के बीच यह धारणा और मजबूत हुई है कि आम आदमी पार्टी लगातार झूठ बोलने वाली पार्टी है।

स्पीकर संधवां ने दी नूर सिंगला को बधाई

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने आज पटियाला निवासी नूर सिंगला और उनके माता-पिता को प्रतिष्ठित चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) फाइनल परीक्षा में पूरे देश में प्रथम स्थान (एआईआर-1) प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई दी। इस शानदार उपलब्धि की सराहना करते हुए स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि नूर सिंगला ने देश की सबसे कठिन मानी जाने वाली पेशेवर परीक्षाओं में से एक सीए फाइनल परीक्षा में 600 में से 499 अंक (83.17 प्रतिशत) प्राप्त कर पूरे पंजाब का नाम रोशन किया है। नूर ने समर्पण, लगन और कठोर परिश्रम का एक नया मानदंड स्थापित किया है।

स्पीकर ने कहा, "नूर सिंगला की यह ऐतिहासिक सफलता उन हजारों पंजाबी युवाओं, विशेषकर छोटे शहरों के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है, जो पेशेवर जगत में बड़ा नाम बनाने का सपना देखते हैं।"

'गैंगस्टरां ते वार' : पंजाब पुलिस द्वारा 560 स्थानों पर छापेमारी; 333 गिरफ्तार

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). 'गैंगस्टरां ते वार' के 149वें दिन पंजाब पुलिस ने पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 560 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरां ते वार' — पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं। आज 149वें दिन पुलिस टीमों ने सात हथियारों सहित 333 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 38,090 हो गई है। इसके अलावा, 75 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियातन कार्रवाई की गई, जबकि दो व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। इस दौरान पुलिस टीमों ने पांच भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 पर गोपनीय रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में सूचना दे सकते हैं तथा अपराध या आपराधिक गतिविधियों संबंधी जानकारी भी साझा कर सकते हैं।

इस बीच, पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपने अभियान 'युद्ध नशियां विरुद्ध' को 474वें दिन भी जारी रखते हुए आज 70 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 961 ग्राम हेरोइन और 3,500 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही, मात्र 474 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 68,828 हो गई है। नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 10 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए प्रेरित किया।

गुरनूर बराड़ ने अपनी रफ्तार व तीखी शॉर्ट-पिच गेंदों से अफगान बल्लेबाजों को किया परेशान

स्पोर्ट्स डेस्क. अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में भारतीय टीम की जीत के साथ-साथ युवा खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन सुर्खियों में बना हुआ है। लखनऊ वनडे में मिली 170 रनों की बड़ी जीत के बाद, पंजाब के 20 वर्षीय उभरते हुए तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शुरुआती सफर और शानदार फॉर्म को लेकर खुलकर बात की। 6 फीट 5 इंच लंबे इस युवा पेसर ने अपनी रफ्तार, सटीक नियंत्रण और तीखी शॉर्ट-पिच गेंदों से अफगान बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है। वर्तमान सीरीज के दोनों मैचों को मिलाकर बराड़ ने अब तक 15.5 ओवरों में 6 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे लिए यह बिल्कुल वैसा ही था जैसा रणजी में गेंदबाजी करते समय होता था। तेज गेंदबाजी करना, सटीक लेंथ पर गेंद डालना और गेंद को स्विंग कराना। मैंने भारत ए की तरफ से खेलते हुए भी ठीक वैसा ही करने की कोशिश की और उसी लाइन पर गेंद डाली।'' छह फीट पांच इंच लंबे बराड़ ने अपनी शॉर्ट पिच गेंदों से बल्लेबाजों को खासा परेशान किया है।

फोटो-बीसीसीआई

उन्होंने कहा, ''मैं खुद पर और अपने काम पर भरोसा रखता हूं। मैं जिस तरह की गेंद भी करूं उस पर भरोसा रखता हूं। मैं इन दोनों मैचों में बेहतर प्रदर्शन करना चाहता था। मुझे पता है कि मैं इससे भी बेहतर प्रदर्शन कर सकता था। उम्मीद है कि आगामी मैचों में मैं और बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहूंगा।'' बराड़ ने इसके साथ ही कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस की तरफ से खेलने से उन्हें फायदा मिला। उन्होंने कहा, ''गुजरात टाइटंस में बहुत अच्छा माहौल है। वहां आशीष नेहरा सर, कैगीसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और इशांत शर्मा जैसे खिलाड़ी हैं, जिनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

1 जुलाई से शुरू होंगे रोजगार और आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए उद्योग से संबंधित पाठ्यक्रम

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार ने राज्य में अनुसूचित जाति (एससी) के युवाओं के लिए रोजगार और आजीविका के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से नेशनल स्किल्ल क्वॉलिफ़िकेशन फ्रेम्वर्क (एनएसक्यूएफ) से जुड़े मुफ्त आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की है। ये कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर की एजेंसी अपोलो मेड स्किल्स के माध्यम से संचालित किए जाएंगे। सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की अनुसूचित जाति के युवाओं को कौशल विकास, रोजगार सृजन और समावेशी विकास के माध्यम से सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक विभाग, पंजाब द्वारा दो उद्योग-संबंधित पाठ्यक्रमों— "केयर-गिवर-मदर एंड न्यू बॉर्न" (माता एवं नवजात शिशु की देखभाल) तथा "एल्डरली केयर टेकर" (वृद्धजनों की देखभाल)— के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पंजाब स्किल डेवलपमेंट मिशन के माध्यम से चयनित लुधियाना और जालंधर केंद्रों में 1 जुलाई से शुरू होंगे।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पात्र उम्मीदवारों को मुफ्त आवास, भोजन, प्रशिक्षण किट तथा एक राष्ट्रीय संस्था द्वारा प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) की सुविधा प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि पात्र उम्मीदवारों से किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का पूरा खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at DB Corp Ltd, J7 NEAR BUS STAND SUBHANPUR (HAMIRA), KAPURTHALA, PUNJAB - 144808, and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.